तताँरा-वामीरो कथा (लीलाधर मंडलोई)

पाठ का परिचय

जो सभ्यता जितनी पुरानी होती है, उसके बारे में किस्से-कहानियाँ भी उतनी ही ज़्यादा सुनने को मिलती हैं। ये कहानियाँ भले ही सत्य न हों, लेकिन इनसे कोई-न-कोई सीख अवश्य मिलती है। प्रस्तुत पाठ की कथा अंदमान निकोबार द्वीपसमूह के एक छोटे-से द्वीप पर केंद्रित है। यह कथा हमें संदेश देती है कि प्रेम सबको जोड़ता है और घृणा दूरी बढ़ाती है। जो समाज के लिए अपने प्रेम का, अपने जीवन तक का बलिदान करता है, समाज न केवल उसे याद रखता है, बल्कि उसके बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने देता। तताँरा-वामीरो युगल के बलिदान को उनके द्वीप का समाज आज भी याद करता है।

पाठ के प्रमुख पात्र और उनका परिचय

1. **तताँरा**–• पासा गाँव का युवक • सुंदर एवं शक्तिशाली • आत्मीयतापूर्ण एवं नेक स्वभाव वाला • परोपकारी • संस्कृति एवं परंपराओं का सम्मान करने वाला • स्वाभिमानी • सच्चा प्रेमी • अपने प्रेम के लिए बलिदान करने वाला • दैवीय शक्ति से युक्त।
2. **वामीरो**–• लपाती गाँव की युवती • सुंदर एवं प्रकृति प्रेमी • सुरीला कंठ तथा गीत गाने में कुशल • सच्ची प्रेमिका • अपने प्रेम के लिए बलिदान करने वाली • संस्कृति एवं परंपराओं का सम्मान करने वाली।

पाठ का सारांश

कथा का आधार–अंदमान द्वीपसमूह का अंतिम दक्षिणी द्वीप है लिटिल अंदमान। इसके बाद निकोबार द्वीप समूह का पहला द्वीप है कार-निकोबार, जो लिटिल अंदमान से 96 कि०मी० दूर है। निकोबारियों का विश्वास है कि प्राचीनकाल में ये दोनों द्वीप एक ही थे। प्रस्तुत पाठ में इनके विभक्त होने की लोककथा है।

ततँारा का परिचय–सदियों पूर्व अंदमान निकोबार द्वीपसमूह में एक गाँव था–पासा। वहाँ ततँारा नाम का एक सुंदर और शक्तिशाली युवक था। निकोबारी उसे बहुत प्रेम करते थे। ततँारा एक नेक और मददगार व्यक्ति था। वह अपने गाँव के ही नहीं, बल्कि समूचे द्वीपवासियों की भी मदद करता था। उसके पास एक लकड़ी की तलवार थी, जिसके विषय में लोगों का मानना था कि उसमें कोई अद्भुत दैवीय शक्ति है। उसके साहसिक कारनामों का कारण लोग उसकी तलवार में अद्भुत शक्ति का होना मानते थे।

ततँारा और वामीरो की मुलाकात–एक बार शाम के समय ततँारा समुद्र के किनारे घूमने निकला। वहाँ एक स्थान पर बैठकर वह अस्त होते सूर्य को निहारने लगा। तभी उसके कानों में एक मधुर गीत की ध्वनि सुनाई पड़ी। उसे सुनकर वह मदहोश हो गया; क्योंकि वह एक प्रेमगीत था। वह उस ओर बढ़ने लगा, जिधर से गीत की ध्वनि आ रही थी। अचानक उसकी नज़र एक सुंदर युवती पर पड़ी, जो समुद्र-तट के सुंदर वातावरण को देखकर वह मधुर गीत गा रही थी। ततँारा एकटक उस सुंदर युवती को निहारने लगा। अचानक समुद्र की एक लहर से भीग जाने पर उस युवती का ध्यान टूट गया। उसने अपने सामने एक सुंदर युवक को खड़ा देखा तो वह गीत गाना भूल गई।

ततँारा वामीरो का परस्पर संवाद–ततँारा ने युवती से गीत पूरा करने की प्रार्थना की, लेकिन युवती ने उससे उसका परिचय पूछा। ततँारा ने फिर उससे गीत पूरा करने का अनुरोध किया। युवती ने उससे कहा कि तुम हमारे गाँव के नहीं हो, इसलिए गाँव के नियम के अनुसार मैं तुम्हारे किसी भी प्रश्न का उत्तर देने के लिए बाध्य नहीं हूँ। इस परस्पर संवाद से दोनों के मन में प्रेम का अंकुर फूट गया था। अंत में युवती ततँारा के किसी भी प्रश्न का उत्तर दिए बिना जाने लगी, लेकिन ततँारा ने उससे उसका नाम पूछा। अपना नाम बताकर जाती हुई वामीरो को आवाज़ देकर ततँारा ने उससे पुनः इसी जगह पर मिलने का अनुरोध किया। उसने कहा कि कल फिर इसी जगह प्रतीक्षा करूँगा, अवश्य आना। इस प्रकार दोनों अपने-अपने घर चले गए।

ततँारा वामीरो का पुनः मिलन–प्रथम मिलन के बाद दोनों के मन एक-दूसरे के लिए व्याकुल हो गए। घर जाने के बाद दोनों के मन में उथल-पुथल होने लगी। दोनों के लिए रात काटना कठिन हो गया। सुबह का एक-एक पल पहाड़ जैसा भारी हो गया। साँझ होते ही ततँारा लपाती की समुद्री चट्टान पर पहुँच गया और वामीरो को ढूँढ़ने लगा। वह आशा-निराशा में डूबा था कि अचानक नारियल के पेड़ों में एक छाया उभरी। यह वामीरो थी, जो बचते-बचाते, छिपते-छिपाते वहाँ आई थी। दोनों एक-दूसरे को देखकर ठिठके रहे–मौन, निःशब्द। अब वे रोज़ इसी तरह सामने आते और मूर्ति की तरह एक-दूसरे को निहारते रहते। लपाती के युवकों ने इस मूक प्रेम को भाँप लिया। बात गाँवभर में फैल गई। दोनों अलग-अलग गाँव के थे; अतः वहाँ की परंपरा के अनुसार उनमें संबंध होना संभव न था। लोगों ने उन्हें खूब समझाया-बुझाया, किंतु वे माने नहीं। इसी तरह समुद्र के किनारे मिलते रहे।

पासा के पशु-पर्व में ततँारा का अपमान–कुछ समय बाद पासा गाँव में पशु-पर्व का आयोजन हुआ। इस पर्व में पशुओं और युवकों का शक्ति-प्रदर्शन, नृत्य-संगीत, भोजन आदि का प्रबंध किया गया, परंतु ततँारा का ध्यान वामीरो को तलाशने में लगा हुआ था। शाम से ही अन्य गाँवों के लोग वहाँ जुटने लगे थे। अचानक ततँारा को लगा कि जैसे कोई पेड़ के पीछे से झाँक रहा है। नारियल के झुरमुट की ओट में खड़ी यह वामीरो थी। वह ततँारा को देखकर ज़ोर से रो पड़ी। उसकी रुलाई ऊँची होती गई। ततँारा किंकर्तव्यविमूढ़-सा उसे देखने लगा। आवाज़ सुनकर वामीरो की माँ वहाँ आ गई। उसने ततँारा का खूब अपमान किया। ततँारा के लिए यह सब असहनीय हो गया। क्षोभ के कारण उसने अपनी तलवार निकाली। उसने अपनी पूरी शक्ति के साथ उसे धरती में घोंप दिया और फिर उसे खींचने लगा। वह पसीने में लथपथ हो गया। वह उसे खींचते-खींचते द्वीप के अंतिम किनारे तक पहुँच गया।

धरती का फटना–कहते हैं, जहाँ धरती में ततँारा की तलवार की लकीर खिंची थी, वहीं से धरती के दो टुकड़े हो गए। ततँारा एक तरफ़ था तो वामीरो दूसरी तरफ़। वामीरो से यह दृश्य देखा न गया। उसने करुणा भरी आवाज़ में पुकारा-ततँारा.....ततँारा, परंतु ततँारा वाला अंश समुद्र में धँसने लगा था। जब ततँारा को होश आया तो उसने छलाँग लगाकर दूसरा सिरा थामना चाहा, किंतु उसकी पकड़ ढीली पड़ने लगी। वह समुद्र की तरफ़ फिसलने लगा। उसके मुँह से सिर्फ़ एक ही शब्द निकल रहा था–वामीरो.....वामीरो.....वामीरो। वामीरो भी ततँारा का नाम पुकार रही थी। लहूलुहान ततँारा बहता हुआ न जाने कहाँ पहुँच गया, किसी को पता न चला। उधर वामीरो पागल हो उठी। उसने खाना-पीना छोड़ दिया। वह घर से विलग होकर अपने ततँारा को वहीं खोजती फिरती थी, किंतु उसका कोई सुराग न मिल सका।

रूढ़ि का अंत–आज ततँारा-वामीरो दोनों नहीं हैं, परंतु उनकी प्रेमकथा घर-घर में प्रचलित है। निकोबारी मानते हैं कि लिटिल अंदमान ही वह भूखंड है, जो ततँारा की तलवार से कटा था। उनके त्याग का परिणाम यह हुआ कि तब से दूसरे गाँवों में विवाह-संबंध होने लगे।

शब्दार्थ

पोर्ट ब्लेयर = अंदमान निकोबार द्वीपसमूह की राजधानी। **आदिम** = प्रारंभिक। **विभक्त** = बँटा हुआ। **सदियों पूर्व** = बहुत समय पहले। **सदैव** = हमेशा। **तत्पर** = तैयार। **समूचे** = सारे। **आमंत्रित** = बुलाना। **आत्मीय** = अपना। **अद्भुत** = अनोखी। **साहसिक कारनामे** = साहस से पूर्ण कार्य। **विलक्षण** = असाधारण। **रहस्य** = गुप्त भेद। **अथक** = बिना थके। **क्षितिज** = जहाँ धरती और आसमान मिलते हुए प्रतीत हों। **बयारें** = हवाएँ। **शनैः शनैः** = धीरे-धीरे। **तंद्रा** = नींद आने से पहले की अवस्था। **चैतन्य** = होश में आना। **विकल** = बैचेन। **बेसुध** = जिसे कोई ख़बर न हो। **विस्मित** = आश्चर्यचकित। **बेरुखी** = नाराज़गी। **असंगत** = अनुचित। **बाध्य** = विवश। **सम्मोहित** = मुग्ध किया हुआ। **झुँझलाना** = चिढ़ना। **ढीठता** = दुःसाहस। **विचलित** = अस्थिर। **विवशता** = लाचारी। **याचना** = प्रार्थना। **अन्यमनस्कता** = जिसका मन कहीं ओर हो। **निहारना** = देखना। **झल्लाहट** = बौखलाहट। **श्रेयस्कर** = कल्याणकर। **निर्निमेष** = बिना पलक झपकाए। **व्यथित** = अप्रसन्न। **ऊबाऊ** = बेकार। **आशंका** = शक। **आस** = उम्मीद। **सचेत** = होश में आना। **निश्चल** = जो अपने स्थान से हटे नहीं। **शब्दहीन** = जो कुछ न

बोल सके। **मूर्तिवत्** = मूर्ति की तरह। **अनवरत** = निरंतर। **अडिग** = डटे रहना। **नियमतः** = नियम के अनुसार। **हृष्ट-पुष्ट** = हट्टे-कट्टे। **व्याकुल** = परेशान। **विह्वल** = भावुक। **किंकर्तव्यविमूढ़** = भ्रमित। **असहनीय** = जो सहन न हो सके। **निषेध** = जो न किया जा सके। **क्षोभ** = रोषयुक्त असंतोष। **खीझ** = झुंझलाहट। **अनायास** = अचानक। **शमन** = शांत। **दुर्भाग्यवश** = बदकिस्मती से।

भाग-1

बहुविकल्पीय प्रश्न

गद्यांशों पर आधारित प्रश्न

निर्देश–*निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए–*

(1) सदियों पूर्व, जब लिटिल अंदमान और कार-निकोबार आपस में जुड़े हुए थे तब वहाँ एक सुंदर-सा गाँव था। पास में एक सुंदर और शक्तिशाली युवक रहा करता था। उसका नाम था–ततााँरा। निकोबारी उसे बेहद प्रेम करते थे। ततााँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था। सदैव दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहता। अपने गाँववालों को ही नहीं, अपितु समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना अपना परम कर्तव्य समझता था। उसके इस त्याग की वजह से वह चर्चित था। सभी उसका आदर करते। वक्त मुसीबत में उसे स्मरण करते और वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता। दूसरे गाँवों में भी पर्व-त्योहारों के समय उसे विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता। उसका व्यक्तित्व तो आकर्षक था ही, साथ ही आत्मीय स्वभाव की वजह से लोग उसके करीब रहना चाहते। पारंपरिक पोशाक के साथ वह अपनी कमर में सदैव एक लकड़ी की तलवार बाँधे रहता। लोगों का मत था, बावजूद लकड़ी की होने पर, उस तलवार में अद्भुत दैवीय शक्ति थी। ततााँरा अपनी तलवार को कभी अलग न होने देता। उसका दूसरों के सामने उपयोग भी न करता। किंतु उसके चर्चित साहसिक कारनामों के कारण लोग-बाग तलवार में अद्भुत शक्ति का होना मानते थे। ततााँरा की तलवार एक विलक्षण रहस्य थी। ***(CBSE 2023)***

1. **गाँव के लोग ततााँरा को क्यों पसंद करते थे–**
   (क) वह सुंदर और शक्तिशाली था
   (ख) वह नेक और मददगार व्यक्ति था
   (ग) वह बेहद शांत और सभ्य व्यक्ति था
   (घ) वह सुंदर, बलिष्ठ और भोला व्यक्ति था।
2. **दूसरे गाँव के लोग भी पर्व-त्योहारों के समय ततााँरा को क्यों आमंत्रित करते थे–**
   (क) उसके आकर्षक व्यक्तित्व के कारण
   (ख) उसके साहसिक कारनामों के कारण
   (ग) उसके त्याग और सेवाभाव के कारण
   (घ) उसकी विलक्षण तलवार के कारण।
3. **ततााँरा की तलवार लोगों के बीच एक विलक्षण रहस्य क्यों थी–**
   (क) क्योंकि ततााँरा उसे कभी अपने से अलग नहीं करता था
   (ख) क्योंकि ततााँरा की तलवार लकड़ी की बनी हुई थी
   (ग) क्योंकि ततााँरा उसका प्रयोग दूसरों के सामने नहीं करता था
   (घ) क्योंकि ततााँरा अकेले ही अद्भुत, साहसिक कारनामें किया करता था।
4. **पारंपरिक पोशाक से अभिप्राय है–**
   (क) गाँव के सभी लोगों द्वारा पहने जाने वाली पोशाक
   (ख) गाँव के युवाओं द्वारा पहने जाने वाली पोशाक
   (ग) वो पोशाक जो किसी प्रदेश विशेष में सदियों से पहनी जाती हो
   (घ) वो पोशाक जो किसी विशेष अवसर पर पहनी जाती हो।
5. **निम्नलिखित कथन-कारण को पढ़कर उचित विकल्प का चयन कीजिए–**

   कथन (A)–ततााँरा समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना अपना परम कर्तव्य समझता था।

   कारण (R)–वह एक सुंदर और शक्तिशाली युवक था।

   (क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
   (ख) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
   (ग) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
   (घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

उत्तर— **1.** (ख) **2.** (क) **3.** (घ) **4.** (ग) **5.** (ग)।

(2) क्रोध में उसने तलवार निकाली और कुछ विचार करता रहा। क्रोध लगातार अग्नि की तरह बढ़ रहा था। लोग सहम उठे। एक सन्नाटा-सा खिंच गया। जब कोई राह न सूझी तो क्रोध का शमन करने के लिए उसमें शक्ति भर उसे धरती में घोंप दिया और ताक़त से उसे खींचने लगा। वह पसीने से नहा उठा। सब घबराए हुए थे। वह तलवार को अपनी तरफ़ खींचते-खींचते दूर तक पहुँच गया। वह हाँफ रहा था। अचानक जहाँ तक लकीर खिंच गई थी। वहाँ एक दरार होने लगी। मानो धरती दो टुकड़ों में बँटने लगी हो। एक गड़गड़ाहट-सी गूँजने लगी और लकीर की सीध में धरती फटती ही जा रही थी। द्वीप के अंतिम सिरे तक ततााँरा धरती को मानों क्रोध में काटता जा रहा था। सभी भयाकुल हो उठे। लोगों ने ऐसे दृश्य की कल्पना न की थी, वे सिहर उठे। उधर वामीरो फटती हुई धरती के किनारे चीखती हुई दौड़ रही थी – ततााँरा ..... ततााँरा ..... ततााँरा उसकी करुण चीख मानो गड़गड़ाहट में डूब गई। ततााँरा दुर्भाग्यवश दूसरी तरफ़ था। द्वीप के अंतिम सिरे तक धरती को चाकता वह जैसे ही अंतिम छोर पर पहुँचा, द्वीप दो टुकड़ों में विभक्त हो चुका था। एक तरफ़ ततााँरा था दूसरी तरफ़ वामीरो। ***(CBSE SQP 2023-24)***

1. **लोगों का सहम जाना किस बात का परिचायक है–**
   (क) भय (ख) करुणा
   (ग) क्रोध (घ) प्रसन्नता।
2. **ततााँरा को कोई राह न सूझने के कारणों पर विचार कीजिए और उचित विकल्प का चयन कीजिए–**
   (i) आत्मसमर्पण का भाव
   (ii) वामीरो से अत्यधिक प्रेम
   (iii) तलवार की दैवीय शक्ति
   (iv) गाँव वालों के प्रति रोष।
   (क) (i) और (iii) (ख) (i), (iii) और (iv)
   (ग) केवल (iii) (घ) (i), (ii) और (iv).
3. **निम्नलिखित कथन-कारण को पढ़कर उचित विकल्प का चयन कीजिए–**

   कथन (A)–लोगों ने ऐसे दृश्य की कल्पना न की थी।

   कारण (R)–ग्रामवासियों ने यह कदापि न सोचा था कि ततााँरा की प्रतिक्रिया इतनी विनाशकारी सिद्ध हो सकती है।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ख) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
(ग) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

4. ततॉरा और वामीरो अलग कैसे हुए–
(क) अपमान के डर से
(ख) गाँव वालों के दबाव में
(ग) पशु मेले की भीड़ के कारण
(घ) भूमि के दो भागों में कटने से।

5. गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित में से कौन-सा विचार मेल खाता है–
(क) जो मनुष्य अपने क्रोध को अपने वश में कर लेता है, वह दूसरों के क्रोध से स्वयंमेव बच जाता है।–सुकरात
(ख) क्रोध में मनुष्य अपने मन की बात नहीं कहता, वह केवल दूसरों का दिल दुःखाना चाहता है।–प्रेमचंद
(ग) वह आदमी वास्तव में बुद्धिमान है जो क्रोध में भी गलत बात मुँह से नहीं निकालता।–शेखसादी
(घ) ईर्ष्या, लोभ, क्रोध एवं कठोर वचन–इन चारों से सदा बचते रहना ही वस्तुतः धर्म है।–तिरुवल्लुवर।

उत्तर— **1.** (क) **2.** (घ) **3.** (घ) **4.** (घ) **5.** (ख)।

(3) वामीरो घर पहुँचकर भीतर-ही-भीतर कुछ बेचैनी महसूस करने लगी। उसके भीतर ततॉरा से मुक्त होने की एक झूठी छटपटाहट थी। एक झल्लाहट में उसने दरवाज़ा बंद किया और मन को किसी और दिशा में ले जाने का प्रयास किया। बार-बार ततॉरा का याचना भरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता। उसने ततॉरा के बारे में कई कहानियाँ सुन रखी थीं। उसकी कल्पना में वह एक अद्भुत साहसी युवक था। किंतु वही ततॉरा उसके सम्मुख एक अलग रूप में आया। सुंदर, बलिष्ठ किंतु बेहद शांत, सभ्य और भोला। उसका व्यक्तित्व कदाचित वैसा ही था जैसा वह अपने जीवन-साथी के बारे में सोचती रही थी। किंतु एक दूसरे गाँव के युवक के साथ यह संबंध परंपरा के विरुद्ध था। अतएव उसने उसे भूल जाना ही श्रेयस्कर समझा। किंतु यह असंभव जान पड़ा। ततॉरा बार-बार उसकी आँखों के सामने था। निर्निमेष याचक की तरह प्रतीक्षा में डूबा हुआ। *(CBSE 2021 Term-1)*

1. वामीरो के लिए ततॉरा को भूलना क्यों आवश्यक था–
(क) ततॉरा से मिलकर उसका मन बेचैन हो गया था
(ख) ततॉरा ने उसे गीत को विवश किया था
(ग) वह उसके जीवन-साथी की कल्पना पर खरा नहीं था
(घ) दूसरे गाँव के युवक से संबंध परंपरा के विरुद्ध था।

2. वामीरो की व्याकुलता के कारणों पर विचार कीजिए और उचित विकल्प का चयन कीजिए–
(i) ततॉरा के प्रति प्रेम
(ii) समाज का भय
(iii) ततॉरा से मुक्त होने की छटपटाहट
(iv) गाँव की परंपरा
(क) (ii) और (iii) (ख) (i) और (iii)
(ग) (iii) और (iv) (घ) केवल (iv).

3. निम्नलिखित कथन-कारण को पढ़कर उचित विकल्प का चयन कीजिए–
कथन (A)**–**दूसरे गाँव के युवक के साथ संबंध परंपरा के विरुद्ध था।
कारण (R)**–**वामीरो ने उसे भूल जाना ही श्रेयस्कर समझा।
(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ख) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
(ग) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

4. 'वामीरो की कल्पना वाला ततॉरा कैसा था–
(क) अद्भुत - साहसी (ख) सभ्य - भोला
(ग) भोला - शांत (घ) सुंदर - सभ्य।

5. गाँव की क्या परंपरा थी–
(क) अपने गाँव के युवक से संबंध-निषेध की
(ख) दूसरे गाँव के युवक से संबंध-निषेध की
(ग) ततॉरा जैसे युवक के साथ संबंध-निषेध की
(घ) याचक जैसे युवक के साथ संबंध-निषेध की।

उत्तर— **1.** (घ) **2.** (ख) **3.** (घ) **4.** (क) **5.** (ख)।

(4) वामीरो के रुदन स्वरों को सुनकर उसकी माँ वहाँ पहुँची और दोनों को देखकर आग बबूला हो उठी। सारे गाँववालों की उपस्थिति में यह दृश्य उसे अपमानजनक लगा। इस बीच गाँव के कुछ लोग भी वहाँ पहुँच गए। वामीरो की माँ क्रोध में उफन उठी। उसने ततॉरा को तरह-तरह से अपमानित किया। गाँव के लोग भी ततॉरा के विरोध में आवाज़ें उठाने लगे। यह ततॉरा के लिए असहनीय था। वामीरो भी रोए जा रही थी। ततॉरा भी गुस्से से भर उठा। उसे जहाँ विवाह की निषेध परंपरा पर क्षोभ था, वहीं अपनी असहायता पर खीझ। वामीरो का दुःख उसे और गहरा कर रहा था। उसे मालूम न था कि क्या कदम उठाना चाहिए। अनायास उसका हाथ तलवार की मूठ पर जा टिका। क्रोध में तलवार निकाली और कुछ विचार करता रहा। क्रोध लगातार अग्नि की तरह बढ़ रहा था। लोग सहम उठे, एक सन्नाटा-सा खिंच गया। जब कोई राह न सूझी तो क्रोध का शमन करने के लिए उसने शक्ति भर उसे धरती में घोंप दिया और ताकत से उसे खींचने लगा। वह पसीने से नहा उठा। सब घबराए हुए थे। वह तलवार को अपनी तरफ़ खींचते-खींचते दूर तक पहुँच गया। वह हाँफ रहा था। अचानक जहाँ तक लकीर खिंच गई थी, वहाँ एक दरार होने लगी। मानो धरती दो टुकड़ों में बँटने लगी हो। *(CBSE SQP 2021 Term-1)*

1. गाँव के लोग ततॉरा के विरोध में आवाज़ें क्यों उठा रहे थे–
(क) वे ततॉरा को अपमानित करना चाहते थे
(ख) वे गाँव की निषेध परंपरा के पक्ष में थे
(ग) गाँव की रीति के विरोध में थे
(घ) ततॉरा को पशु पर्व में शामिल नहीं करना चाहते थे।

2. ततॉरा के क्षोभ के कारणों पर विचार कीजिए और विकल्प का चयन कीजिए–
(i) विवाह की निषेध परंपरा
(ii) अपनी असहायता
(iii) वामीरो का रुदन
(iv) लोगों का विरोध।
(क) (i), (ii) और (iii) (ख) (i) और (ii)
(ग) (ii) और (iii) (घ) (iii) और (iv).

3. निम्नलिखित कथन-कारण को पढ़कर उचित विकल्प का चयन कीजिए–
कथन (A)**–**दोनों को साथ देखकर वामीरो की माँ आग बबूला हो गई।
कारण (R)**–**उसने अपनी तलवार खींच ली।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ख) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
(ग) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है।
(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

4. **'लोग सहम उठे, एक सन्नाटा-सा खिंच गया।' लोगों का सहम जाना दर्शाता है कि वे–**
(क) विलक्षण दैवीय तलवार को देखने लग गए थे
(ख) किसी भावी दुष्परिणाम की आशंका से ग्रसित थे
(ग) जानते थे कि द्वीप दो भागों में बँट जाएगा
(घ) तताँरा-वामीरो के विवाह के लिए सहमत हो गए थे।

5. **प्रस्तुत गद्यांश में किस घटना का वर्णन है–**
(क) वामीरो की त्यागमयी मृत्यु का
(ख) निकोबार द्वीप के दो भागों में बँटने का
(ग) ततँारा-वामीरो की प्रथम मुलाकात का
(घ) ततँारा के आत्मीय स्वभाव का।

उत्तर— **1.** (ख) **2.** (क) **3.** (ग) **4.** (ख) **5.** (ख)।

पाठ पर आधारित प्रश्न

निर्देश–*निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए–*

1. **'ततँारा-वामीरो कथा' पाठ के लेखक हैं–**
(क) अंतोन चेखव (ख) प्रह्लाद अग्रवाल
(ग) लीलाधर मंडलोई (घ) प्रेमचंद।

2. **लीलाधर मंडलोई का जन्म कब हुआ–**
(क) सन् 1954 (ख) सन् 1957
(ग) सन् 1950 (घ) सन् 1955।

3. **'ततँारा-वामीरो कथा' पाठ में कहाँ की कथा है–**
(क) गोवा की (ख) मुंबई की
(ग) अंडमान और कार-निकोबार (घ) चित्रकूट।

4. **युवती का स्वर कैसा था–**
(क) मधुर और सुरीला (ख) सामान्य
(ग) कर्कश (घ) इनमें से कोई नहीं।

5. **ततँारा किसको निहार रहा था–**
(क) सूरज को (ख) सागर को
(ग) युवती को (घ) इनमें से कोई नहीं।

6. **कार-निकोबार लिटिल अंडमान से कितनी दूरी पर है–**
(क) 61 किलोमीटर (ख) 86 किलोमीटर
(ग) 96 किलोमीटर की दूरी पर (घ) 9 किलोमीटर की दूरी पर।

7. **प्रथम मिलन के बाद ततँारा-वामीरो की स्थिति कैसी हो गई थी–**
(क) दोनों के हृदय प्रसन्न थे (ख) दोनों के हृदय व्यथित थे
(ग) दोनों के हृदय निराश थे (घ) दोनों के हृदय उदासीन थे।

8. **दिन ढलने से पहले ततँारा कहाँ पहुँच गया–**
(क) अपने गाँव (ख) वामीरो के गाँव
(ग) समुद्री चट्टान पर (घ) अपने कार्यस्थल पर।

9. **ततँारा के भीतर क्या दौड़ रही थी–**
(क) प्रेम की लहर (ख) आशंका
(ग) आशा (घ) निराशा।

10. **वामीरो की स्थिति कैसी थी–**
(क) वह घबरा रही थी
(ख) वह अपने को छुपाते हुए बढ़ रही थी
(ग) वह बीच-बीच में इधर-उधर दृष्टि दौड़ा रही थी
(घ) उपर्युक्त सभी।

11. **ततँारा-वामीरो की परस्पर मिलने पर क्या स्थिति होती थी–**
(क) दोनों खूब बातें करते थे
(ख) दोनों नाचते और गाते थे
(ग) दोनों मूर्तिवत एक-दूसरे को एकटक देखते रहते थे
(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

12. **दोनों के अंतर्मन में क्या था–**
(क) एक-दूसरे के प्रति कपट (ख) एक-दूसरे के प्रति समर्पण
(ग) एक-दूसरे को छलने की इच्छा (घ) एक-दूसरे के प्रति अविश्वास।

13. **ततँारा-वामीरो के प्रेम को किसने भाँप लिया था–**
(क) वामीरो की माता ने (ख) वामीरो की सखियों ने
(ग) ततँारा के मित्रों ने (घ) लपाती के कुछ युवकों ने।

14. **ततँारा और वामीरो का संबंध संभव क्यों न था–**
(क) दोनों एक ही गाँव के थे
(ख) दोनों अलग-अलग गाँव के थे
(ग) दोनों अलग-अलग जाति के थे
(घ) दोनों के धर्म अलग-अलग थे।

15. **लोगों ने क्या प्रयास किया–**
(क) ततँारा-वामीरो को समझाने-बुझाने का
(ख) दोनों को गाँव से निष्कासित करने का
(ग) दोनों का विवाह कराने का
(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

16. **ततँारा को गुस्सा क्यों आया–**
(क) वामीरो की माँ ने उससे झगड़ा किया
(ख) वामीरो अब विवाह के लिए तैयार न थी
(ग) उसे विवाह की निषेध परंपरा पर क्षोभ था
(घ) वामीरो ने उसकी सहायता नहीं थी।

17. **वामीरो की माँ ने किसे अपमानित किया–**
(क) ततँारा को (ख) वामीरो को
(ग) गाँव वालों को (घ) गाँव के मुखिया को।

18. **ततँारा-वामीरो कथा समाज की किस समस्या की ओर ध्यान इंगित कराती है–**
(क) जाति प्रथा (ख) विवाह के परंपरागत नियम
(ग) बेमेल-विवाह (घ) बाल-विवाह।

19. **'आग बबूला हो उठने' का क्या अर्थ है–**
(क) अत्यधिक क्रोध आना
(ख) बच्चों की चिंता करना
(ग) आग की प्रचंड लपटों की तरह लहराना
(घ) बहुत परेशान हो उठना।

20. **निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य 'ततँारा-वामीरो कथा' से मेल खाते हैं–**
(i) प्रेम सबको जोड़ता है और घृणा दूरी बढ़ाती है।
(ii) रूढ़ियाँ बंधन बन जाती हैं।
(iii) जो समाज के लिए बलिदान करता है, समाज उसे याद रखता है।
(iv) समाज से डरना एक अपराध है।
(क) केवल (i)
(ख) (i) और (ii)
(ग) (ii) और (iii)
(घ) (i), (ii) और (iii).

उत्तर– **1.** (ग) **2.** (क) **3.** (ग) **4.** (क) **5.** (ग) **6.** (ग) **7.** (ख) **8.** (ग) **9.** (ख) **10.** (घ) **11.** (ग) **12.** (ख) **13.** (घ) **14.** (ख) **15.** (क) **16.** (ग) **17.** (क) **18.** (ख) **19.** (क) **20.** (घ)।

भाग-2

(वर्णनात्मक प्रश्न)

निर्देश–*निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–*

प्रश्न 1 : वामीरो ने तताँरा को बेरुखी से क्या जवाब दिया? *(CBSE 2015)*

उत्तर : वामीरो ने तताँरा को बेरुखी से जवाब दिया– "पहले बताओ! तुम कौन हो, इस तरह मुझे घूरने और इस असंगत प्रश्न का क्या कारण? अपने गाँव के अलावा किसी और गाँव के युवक के प्रश्नों का उत्तर देने को मैं बाध्य नहीं। यह तुम भी जानते हो।"

प्रश्न 2 : पशु-पर्व में अपने क्रोध को शांत करने के लिए तताँरा ने क्या किया? उसकी प्रतिक्रिया के पक्ष या विपक्ष में तर्कसम्मत उत्तर दीजिए। *(CBSE 2023)*

उत्तर : पशु-पर्व में अपने क्रोध को शांत करने के लिए तताँरा ने अपनी लड़की की तलवार को धरती में घोंप दिया और उसे खींचता हुआ द्वीप के अंतिम छोर तक पहुँच गया। इससे धरती दो भागों में विभक्त हो गई। हमारे विचार से तताँरा की यह प्रतिक्रिया उचित थी। इसके द्वारा वह द्वीपवासियों को सीख देना चाहता था कि जिस धरती पर दो प्रेमियों को एक होने का अधिकार नहीं, उस धरती के टुकड़े हो जाना ही उचित है।

प्रश्न 3 : तताँरा के व्यक्तित्व की क्या विशेषताएँ थीं?

उत्तर : तताँरा एक सुंदर और शक्तिशाली युवक था। वह एक नेक और मददगार व्यक्ति था; इसलिए सदैव दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहता था। सभी उसका आदर करते थे। जहाँ भी लोग मुसीबत में होते, वह भागा-भागा वहाँ उनकी मदद करने पहुँच जाता था।

प्रश्न 4 : प्राचीनकाल में मनोरंजन और शक्ति-प्रदर्शन के लिए किस प्रकार के आयोजन किए जाते थे?

उत्तर : प्राचीनकाल में मनोरंजन और शक्ति-प्रदर्शन के अनोखे उपाय थे। उसमें पशु भी शामिल होते थे। पशु-पर्व के आयोजन होते थे। उसमें हृष्ट-पुष्ट पशुओं का प्रदर्शन होता था। युवकों की शक्ति-परीक्षा के लिए उन्हें पशुओं से भिड़ाया जाता था। वर्ष में एक पशु-पर्व का आयोजन होता था, जिसमें सभी गाँवों के लोग इकट्ठे होते थे। उसमें बाद में नृत्य-संगीत और भोजन का भी प्रबंध होता था।

प्रश्न 5 : तताँरा के क्रोध का क्या कारण था?

उत्तर : तताँरा के क्रोध का कारण था–वामीरो की माँ द्वारा उसका अकारण किया गया अपमान। गाँव वालों ने भी उसे बुरा-भला कहा। तब उसके मन में गाँव की अनुचित परंपरा के प्रति ज़बरदस्त क्रोध भड़क उठा। वह समझ नहीं पाया कि गाँव वाले अन्य किसी गाँव के लड़के-लड़की के प्रेम में बाधा क्यों डालते हैं।

प्रश्न 6 : तताँरा खूब परिश्रम करने के बाद कहाँ गया? वहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

***अथवा* एक शाम तताँरा कहाँ गया? वहाँ का वातावरण कैसा था?**

उत्तर : खूब परिश्रम करने के बाद तताँरा एक दिन शाम को समुद्र के किनारे घूमने निकला, वहाँ का वातावरण बहुत ही रमणीय था। सूरज समुद्र से लगे क्षितिज में डूबने वाला था। समुद्र से ठंडी-ठंडी बयारें आ रही थीं। पक्षियों की सायंकालीन चहचहाट धीरे-धीरे कम होती जा रही थी। चारों ओर अद्‌भुत शांति व्याप्त थी। इस वातावरण में तताँरा का मन भी शांत था।

प्रश्न 7 : क्रोध में तताँरा ने क्या किया?

उत्तर : क्रोध में आकर तताँरा ने अपनी तलवार को धरती में घोंप दिया। फिर वह उस तलवार को ताकत से अपनी ओर खींचते-खींचते द्वीप के अंतिम किनारे तक ले गया। तलवार द्वारा खींची गई रेखा की दरार क्रमशः फैलती चली गई और देखते-ही-देखते द्वीप दो टुकड़ों में बँट गया।

प्रश्न 8 : वामीरो तताँरा को क्यों भुलाना चाहती थी? क्या वह ऐसा कर पाई?

उत्तर : वामीरो ने तताँरा को इसलिए भुलाना चाहा; क्योंकि वह दूसरे गाँव का था। परंपरा के अनुसार उन दोनों का विवाह संबंध नहीं हो सकता था। लेकिन वामीरो के लिए यह कर पाना संभव नहीं हो सका; क्योंकि निर्निमेष याचक की तरह प्रतीक्षा में डूबा हुआ तताँरा बार-बार उसकी आँखों के सामने आ जाता था।

प्रश्न 9 : तताँरा की तलवार की क्या विशेषताएँ थीं? *(CBSE 2010, 11)*

उत्तर : तताँरा की तलवार लकड़ी की बनी थी। लोगों का मत था कि उस तलवार में दैवीय शक्ति थी। तताँरा उसे कभी अपने से अलग नहीं करता था। वह दूसरों के सामने उसका उपयोग भी नहीं करता था। वह एक विलक्षण तलवार थी।

प्रश्न 10 : तताँरा का मन पशु-पर्व में क्यों नहीं लगा?

उत्तर : वामीरो से मिलने के बाद से तताँरा को उससे प्रेम हो गया था। वह रात-दिन उसी के विचारों में खोया रहता था। उसका मन किसी भी कार्य में नहीं लगता था। इसलिए पशु-पर्व में भी उसका मन नहीं लगा।

प्रश्न 11 : रूढ़ियाँ जब बंधन बन बोझ बनने लगें, तब उनका टूट जाना ही अच्छा है। क्यों? स्पष्ट कीजिए।

***अथवा* तताँरा-वामीरो कथा के आधार पर प्रतिपादित कीजिए कि रूढ़ियाँ बंधन बनने न लगे तो उन्हें टूट जाना चाहिए।**

(CBSE 2018)

उत्तर : समाज और मनुष्य के कल्याण के लिए आरंभ की गई प्रथाएँ जब कालांतर में परंपरा का रूप ले लेती हैं और उनका पालन हानि-लाभ का विचार किए बिना किया जाने लगता है तो उन्हें 'रूढ़ियाँ' कहते हैं। बदलते परिवेश के कारण जब ये परंपराएँ महत्त्वहीन और निरर्थक हो जाती हैं तो मनुष्य के लिए बंधन होती हैं; अतः उनका टूटना ही अच्छा है; अन्यथा वे मनुष्य के कल्याण और विकास में बाधक हो जाती हैं। प्रस्तुत पाठ में निकोबार के गाँवों में अपने गाँव से बाहर के स्त्री-पुरुष से विवाह न होने की परंपरा थी। तताँरा-वामीरो ने अपने प्रेम का बलिदान देकर इस रूढ़ि को तोड़ दिया था।

प्रश्न 12 : 'बस आस की एक किरण थी, जो समुद्र की देह पर डूबती किरणों की तरह कभी भी डूब सकती थी।' आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : आशय–प्रस्तुत पंक्ति में दूसरे दिन वामीरो से मिलन के लिए तताँरा की व्याकुलता प्रकट की गई है। तताँरा वामीरो को पहली ही नज़र में बेहद प्रेम करने लगा था। उसने उसे कल साँझ को फिर-से समुद्री चट्टान पर आने के लिए कहा था; अतः वह छटपटाते हुए अधीरता से उसकी प्रतीक्षा कर रहा था। उसके मन में एक आशंका यह भी थी कि कहीं वामीरो न आए। इस आशंका से उसका मन और बेचैन हो उठता था, परंतु साथ ही एक आशा की किरण भी थी। साथ ही उसे यह भी लगता था कि यह आशा की किरण अगले क्षणों में उसी तरह समाप्त हो सकती है जैसे समुद्र की छाती में डूबते सूर्य की अंतिम किरण भी सूर्यास्त के साथ समुद्र में डूब जाएगी।

प्रश्न 13 : 'जब कोई राह न सूझी तो क्रोध का शमन करने के लिए उसमें शक्ति भर उसे धरती में घोंप दिया और ताकत से उसे खींचने लगा।' आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : **आशय**–प्रस्तुत पंक्ति में अपमान होने पर तताँरा की प्रतिक्रिया व्यक्त की गई है। तताँरा से अपना अकारण अपमान सहा न गया। जब वामीरो की माँ तथा उसके गाँववासियों ने उस पर लाँछन लगाया तो उसे अपमान से बचने का कोई उपाय न सूझा। उसने अपने क्रोध को शांत करने के लिए अपनी लकड़ी की दिव्य तलवार में शक्ति भरकर उसे पूरी शक्ति से धरती में घोंप दिया। मानो वह उस धरती को धिक्कार रहा हो, जिस पर उसे अपमान सहना पड़ा। उसने उस तलवार को पूरी शक्ति से खींचना आरंभ किया। इससे धरती दो टुकड़ों में विभक्त हो गई।

प्रश्न 14 : वामीरो की मनोदशा कैसी हो गई थी?

उत्तर : जब वामीरो ततॉरा से पहली बार मिलने के बाद घर गई तो उसने भीतर-ही-भीतर एक बेचैनी महसूस की। उसके अंदर ततॉरा से मुक्त होने की एक झूठी छटपटाहट थी। वह अपने मन को दूसरी ओर ले जाना चाहती थी, लेकिन ततॉरा का याचनाभरा चेहरा बार-बार उसकी आँखों में तैर जाता था। वह जितना ततॉरा को भूलने का प्रयास करती थी, वह उतना ही उसके दिल में गहराई से उतरता जाता था।

प्रश्न 15 : वामीरो-ततॉरा से पुनः मिलने के लिए मना करती है, लेकिन फिर भी आ जाती है। क्यों?

उत्तर : वामीरो के मन में ततॉरा को प्रथम बार देखते ही प्रेम का अंकुर फूट पड़ा था। वह मन-ही-मन उसे प्रेम करने लगी थी। उसने पुनर्मिलन के लिए ऊपरी मन से मना किया था। इसलिए वह ततॉरा से मिलने चली आई।

प्रश्न 16 : निकोबार के लोग ततॉरा को क्यों पसंद करते थे?

उत्तर : ततॉरा एक सुंदर एवं शक्तिशाली युवक था। वह सदैव परोपकार में लगा रहता था। उसके मन में सभी के प्रति आत्मीयता का भाव था। यही कारण था कि दूसरे गाँवों के लोग भी उसे पसंद करते थे।

प्रश्न 17 : ततॉरा गाँव में क्यों चर्चित था? कहानी के आधार पर लिखिए।

उत्तर : ततॉरा अपनी विशेषताओं के कारण गाँव में चर्चित था। वह आकर्षक व्यक्तित्व का एक शक्तिशाली युवक था। गाँव वालों की सेवा करना वह अपना परम कर्तव्य समझता था। उसके आत्मीय स्वभाव के कारण लोग उसके आस-पास रहना चाहते थे। उसके पास दैवीय शक्ति से युक्त एक तलवार थी। इसके कारण भी वह चर्चा का विषय था।

प्रश्न 18 : ततॉरा का विरोध कौन कर रहे थे और क्यों?

उत्तर : ततॉरा का विरोध वामीरो की माँ और गाँव वाले कर रहे थे; क्योंकि वे ततॉरा और वामीरो के प्रेम को गाँव की परंपरा के विरुद्ध मानते थे। वहाँ की यह रीति थी कि कोई स्त्री दूसरे गाँव के पुरुष से प्रेम या विवाह नहीं कर सकती थी।

प्रश्न 19 : ततॉरा को किसने अपमानित किया और क्यों?

उत्तर : ततॉरा को वामीरो की माँ तथा उसके गाँव वालों ने अपमानित किया; क्योंकि उसने गाँव की परंपरा को तोड़ा था। उसने दूसरे गाँव की लड़की वामीरो से प्रेम किया था और उससे विवाह करना चाहता था, यह वहाँ की रीति के विरुद्ध था।

प्रश्न 20 : ततॉरा-वामीरो की मृत्यु कैसे हुई? ***(CBSE 2015)***

उत्तर : पशु-पर्व के आयोजन के अवसर पर जब वामीरो ने ततॉरा को अपने सामने पाया तो वह ज़ोर-ज़ोर से रोने लगी। तभी उसकी माँ वहाँ पहुँच गई। उसने ततॉरा को बहुत बुरा-भला कहा। गाँव वालों ने भी ततॉरा का विरोध किया। इस अपमान से क्रोधित होकर ततॉरा ने अपनी तलवार ज़मीन में घोंप दी और पूरी ताकत से उसे खींचता चला गया। इससे द्वीप के दो टुकड़े हो गए। एक ओर ततॉरा तथा दूसरी ओर वामीरो एक-दूसरे को पुकारते रहे। ततॉरा का कुछ पता नहीं चला। वामीरो भी उसके बिना पागल हो गई। बाद में उसे गाँव वालों ने बहुत ढूँढ़ा, लेकिन उसका भी कहीं पता नहीं चला। इस प्रकार दोनों का अंत हो गया।

प्रश्न 21 : ततॉरा क्यों चर्चित था? ***(CBSE 2015, 16)***

उत्तर : ततॉरा अपने प्रभावशाली व्यक्तित्व के कारण चर्चित था। वह एक सुंदर और शक्तिशाली युवक था। वह सदैव दूसरों की मदद के लिए तैयार रहता था। उसके आत्मीय स्वभाव के कारण सब लोग उसे पसंद करते थे। वह अपनी दिव्य तलवार के कारण भी चर्चित था, जो लकड़ी की थी।

प्रश्न 22 : ततॉरा ने क्या सुना? उसका ततॉरा पर क्या प्रभाव पड़ा?
अथवा **समुद्र किनारे बैठे हुए ततॉरा की तंद्रा कैसे टूटी?**

उत्तर : अचानक ततॉरा को कहीं से मधुर गीत गूँजता सुनाई दिया। गायन इतना प्रभावी था कि ततॉरा अपनी सुध-बुध खोने लगा। बीच-बीच में लहरों का संगीत भी सुनाई देता था। वह गायन के प्रभाव में अपनी सुध-बुध खोने लगा। लहरों के प्रबल वेग से जब उसकी तंद्रा टूटी तो वह उस ओर बढ़ने को विवश हो गया, जिधर से उस गीत की ध्वनि आ रही थी। वह विकल-सा उस तरफ़ बढ़ता ही गया।

प्रश्न 23 : वामीरो अपना गाना क्यों भूल गई?

उत्तर : गाना गाती हुई वामीरो को अचानक समुद्र की एक ऊँची लहर ने भिगो दिया, इसलिए हड़बड़ाहट में वह अपना गाना भूल गई।

प्रश्न 24 : ततॉरा ने वामीरो से क्या याचना की?

उत्तर : ततॉरा ने वामीरो से यह याचना की कि वह अपना गीत पूरा करे और अगले दिन भी इसी चट्टान पर मिलने आए।

प्रश्न 25 : ततॉरा-वामीरो के त्याग के बाद उनके समाज में क्या सुखद परिवर्तन आया? ***(CBSE 2020)***

उत्तर : ततॉरा-वामीरो के त्याग के बाद उनके समाज में यह बदलाव आया कि वर्षों से चली आ रही वह प्रथा समाप्त हो गई, जिसके अनुसार युवक-युवतियाँ एक-दूसरे गाँव में विवाह नहीं कर सकते थे। यह एक सुखद परिवर्तन था।

प्रश्न 26 : निकोबार द्वीपसमूह के विभक्त होने के बारे में निकोबारियों का क्या विश्वास है?

उत्तर : निकोबार द्वीपसमूह के विभक्त होने के बारे में निकोबारियों का यह विश्वास है कि बहुत समय पहले लिटिल अंदमान और कार-निकोबार द्वीपसमूह आपस में मिले हुए थे। उस समय निकोबार द्वीप में यह परंपरा विद्यमान थी कि एक गाँव का युवक दूसरे गाँव की युवती से विवाह नहीं कर सकता। ततॉरा नामक एक युवक को दूसरे गाँव की युवती वामीरो से प्रेम हो गया तो गाँव वालों ने इसका विरोध और ततॉरा का अपमान किया, जिससे क्रोधित होकर ततॉरा ने अपनी तलवार धरती में गाड़ दी और उसे खींचते-खींचते वह दूर भागता चला गया। इसने धरती के दो भाग कर दिए। एक निकोबार, दूसरा अंदमान।

प्रश्न 27 : 'प्रेम संबंध किसी धर्म, जाति और सीमा के पाबंद नहीं होते'– 'तताँरा-वामीरो कथा' पाठ के आधार पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

उत्तर : 'तताँरा-वामीरो कथा' इस बात की प्रमाण है कि प्रेम रूढ़ियों और बंधनों में नहीं पल सकता। प्रेम किसी प्रकार की कोई सीमा नहीं जानता। तताँरा को क्या पता था कि उसका प्रेम वामीरो से होगा। वामीरो तो जानती थी कि अन्य गाँव के युवक से प्रेम करना नीति-विरुद्ध है, फिर भी वह अपने हृदय का क्या करे? उसका हृदय गाँव की रूढ़ियों के विरुद्ध तताँरा के लिए बहता रहा। उनके मूक प्रेम पर गाँव के नियमों की तलवार लटकी रही, जिस कारण वे सबके सम्मुख अपने प्रेम को खुलकर प्रकट न कर सके। जब उनका प्रेम प्रकट हुआ तो गाँव के लोग बीच में कूद पड़े। वे उनके विरोध में खड़े हो गए। इस प्रकार उनका सच्चा प्रेम कुंठित होकर नष्ट हो गया।

प्रश्न 28 : 'तताँरा-वामीरो कथा' का क्या संदेश है? ***(CBSE 2016)***

उत्तर : 'तताँरा-वामीरो कथा' से यह संदेश दिया गया है कि प्रेम को परंपराओं या रूढ़ियों के किसी बंधन तथा देश-काल की सीमाओं में बाँधना उचित नहीं है। यदि कोई गाँव, प्रदेश या क्षेत्र प्रेम को पनपने के लिए खुला अवसर नहीं देता तो इससे सर्वनाश होता है। लोगों में भेदभाव बढ़ते हैं। पहले से बँटी हुई मानव-जाति और अधिक खंडों में बँटती है। इससे मानवता का क्षय होता है। भावनाएँ शमित होने की बजाय खंडित होती हैं; अतः गाँव, प्रदेश या अन्य संकीर्ण नियमों को तोड़कर हमें उदारता के साथ सबको अपनाना चाहिए।

प्रश्न 29 : 'तताँरा-वामीरो कथा' पाठ के आधार पर तताँरा के चरित्र की विशेषताएँ बताइए।

उत्तर : **आकर्षक व्यक्तित्व**–तताँरा नायकोचित गुणों वाला आदर्श नायक है। एक नायक में जो विशेषताएँ होनी चाहिए, वे सब उसके व्यक्तित्व में विद्यमान हैं। वह शरीर से सुंदर, बलिष्ठ और आकर्षक है। लोग उसे देखते ही उसकी ओर आकर्षित होते हैं। वामीरो भी उसे देखकर पहली नज़र में उस पर मुग्ध हो गई थी।

मानवीय भावनाओं से ओत-प्रोत और सम्मानित–तताँरा हृदय से बहुत नेक, उदार, सहयोगी, परोपकारी और सेवाभावी था। वह सदैव दूसरों की सहायता किया करता था। उसके अपने गाँव वाले ही नहीं, अन्य गाँवों के लोग भी उसका सम्मान करते थे तथा उसे अपने यहाँ आमंत्रित किया करते थे। वह ज़रूरत पड़ने पर सबकी सहायता किया करता था।

दैवीय शक्ति से युक्त तलवार का स्वामी– तताँरा दैवीय शक्ति से संपन्न था। उसके पास लकड़ी की अद्भुत तलवार थी। उसके बल पर वह हर विपत्ति से निपट सकता था, परंतु वह अपनी तलवार से कभी अत्याचार नहीं करता था। उसने किसी के सामने अपनी तलवार का उपयोग नहीं किया।

प्रेम पर बलिदान होने वाला सच्चा-प्रेमी– तताँरा निश्छल प्रेमी था। उसका प्रेमी रूप अचानक उभरकर आया। वह वामीरो के मधुर सुर पर रीझता हुआ उसे पूरे मन-प्राण से चाहने लगा। एक समय ऐसा आया कि उसने वामीरो को पाने के लिए गाँव वालों पर क्रोध प्रकट किया और स्वयं अपना बलिदान दे दिया। वह सच्चा प्रेमी सिद्ध हुआ।

प्रश्न 30 : 'तताँरा-वामीरो कथा' पाठ की नायिका कौन है? उसका चरित्र-चित्रण कीजिए। ***(CBSE 2016)***

उत्तर : **निश्छल, भोली-सुंदरी**–'तताँरा-वामीरो कथा' पाठ की नायिका सुंदर युवती वामीरो है। वामीरो लपाती गाँव की निश्छल, भोली-सुंदरी है।

मधुर कंठ की स्वामिनी–उसके कंठ में अपार मधुरता है। उसके शृंगार-गीत को सुनकर समुद्र में हिल्लोल पैदा हो जाती है। वातावरण पर ऐसी मधुरता छा जाती है कि अनजान युवक तताँरा अपनी सुध-बुध खो बैठता है।

परंपरावादी–वामीरो अपने गाँव की परंपराओं का सम्मान करती है। इसलिए वह नहीं चाहती कि किसी अन्य गाँव का युवक उसके गीत को सुने, उसे घूरे, ताके और प्रेम-भरी बातें करे।

सच्ची प्रेमिका–उसके हृदय में जब तताँरा के प्रति सच्चा प्रेम जागता है तो उसे गाँव की परंपरा एक बाधा प्रतीत होती है। वह समझ लेती है कि प्रेम की भावना सच्ची है और गाँव की परंपरा बंधन। इसलिए वह पहले डर-डरकर प्रेम का निर्वाह करती है। वह छिप-छिपकर तताँरा से मिलती है। लोग अफ़वाहें उड़ाते हैं, फिर भी वह नहीं मानती। आखिरकार एक दिन उसका सारा क्रोध लावे की तरह फूट पड़ता है। वह बिना कुछ कहे फूट-फूटकर रो पड़ती है। मानो वह गाँव वालों को अपनी सच्चाई और लाचारी की फरियाद सुना रही हो। इस पर भी काम नहीं बनता तो वह तताँरा को पुकारते-पुकारते घर से अलग हो जाती है और एक-दिन अपनी जीवन-लीला समाप्त कर लेती है। वह सच्ची प्रेमिका है।

प्रश्न 31 : 'तताँरा-वामीरो कथा' में तत्कालीन समाज का क्या चित्र प्रस्तुत किया गया है?

उत्तर : तत्कालीन समाज पुराने रीति-रिवाज़ों, परंपराओं और रूढ़ियों में जकड़ा हुआ था। लोगों में पूर्वजों द्वारा चलाई गई परंपराओं को तोड़ने की हिम्मत नहीं होती थी। जो इन परंपराओं के विरुद्ध जाने या इनमें परिवर्तन करने की बात करता था, समाज उसका दुश्मन हो जाता था। पाठ में दिखाया गया है कि निकोबार के गाँवों में युवा लड़के-लड़कियों का विवाह दूसरे गाँवों में न करने की परंपरा थी। चाहे योग्य वर-वधू मिले या न मिले। तताँरा-वामीरो ने इस परंपरा को तोड़ते हुए एक-दूसरे से प्रेम किया। वे अलग-अलग गाँव के थे। समाज ने उनका घोर विरोध किया और उन दोनों को अपने प्रेम के लिए प्राणों का बलिदान करना पड़ा। लेखक ने तत्कालीन समाज की रूढ़िवादी प्रवृत्ति का सुंदर चित्र प्रस्तुत किया है।

प्रश्न 32 : वामीरो की प्रतीक्षा में बैठे तताँरा की प्रेम की व्याकुलता को स्पष्ट कीजिए। ***(CBSE 2011)***

उत्तर : वामीरो की प्रतीक्षा में तताँरा बहुत व्याकुल था। अपने जीवन में उसने पहली बार किसी के लिए ऐसी प्रतीक्षा की थी। उसके गंभीर और शांत जीवन में ऐसा पहली बार हुआ था। वामीरो की प्रतीक्षा में एक-एक पल पहाड़ की तरह भारी लग रहा था। वह अपनी ऐसी दशा देखकर अचंभित था, साथ ही रोमांचित भी। उसका मन आशा और निराशा के झूले में झूल रहा था। उसके भीतर एक आशंका व्याप्त थी कि अगर वामीरो न आई तो वह कुछ निर्णय नहीं कर पा रहा था, बस प्रतीक्षारत था। आशा की एक किरण थी, जो समुद्र की देह पर डूबती किरणों की तरह कभी भी डूब सकती थी। वह बार-बार लपाती के रास्ते पर नजरें दौड़ाता था। इस प्रकार वामीरो की प्रतीक्षा में वह बहुत ही व्याकुल था। सहसा नारियल के झुरमुटों में से उसे एक आकृति कुछ साफ़ दिखाई दी। जो उसी तरफ़ आ रही थी। आकृति के करीब आने पर तताँरा की खुशी का ठिकाना न रहा, क्योंकि वह आकृति कोई और नहीं, वामीरो थी।